

Set - 2

Series RHB-DS2

COUPON CODE
PAR10MGRY80
Visit www.rachnasagar.in
to redeem the offer

प्रश्न-पत्र कोड RSPL/2

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 12 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिंदी (ब) HINDI (B)

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए:

- (i) इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं— क, ख, ग और घ।
- (ii) खंड—क में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- (iii) खंड—ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- (iv) खंड—ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- (v) खंड—घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- (vi) प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (vii) यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड-‘क’ (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(7)

विद्या से रहित मनुष्य पशु के समान होता है। विद्या या ज्ञान एक वरदान है, जो मनुष्य को सफलता की ऊँचाइयों तक ले जाता है। शिक्षा प्राप्त करना अति आवश्यक है। शिक्षा के दो पक्ष होते हैं— साक्षरता और गुणवत्ता। सौभाग्य से आज शिक्षित युवकों और विशेषतः युवतियों का प्रतिशत तेज़ी से बढ़ रहा है। निरक्षर प्रौढ़ भी कहीं न कहीं से मार्गदर्शन प्राप्त करके शिक्षा प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। ये सब सुनहरे भविष्य के संकेत हैं। लेकिन अभी भी बढ़ती हुई जनसंख्या के अनुपात में यह जागृति कम है, आज भी भारत के कुछ गाँव ऐसे हैं, जो बुरी तरह पिछड़े हुए हैं और जहाँ अभी तक शिक्षा के प्रकाश की एक किरण भी नहीं पहुँच सकी है।

सचमुच बहुत अभाग्य हैं वे लोग जो निरक्षर हैं, क्योंकि वे सत् साहित्य के रसास्वादन और लाभ से वंचित हैं। जीवन की प्रगति के अवसरों से वंचित हैं। अखबार न पढ़ सकने के कारण वे देश के प्रति जागरूक नहीं रह पाते हैं। अंकगणित का ज्ञान न होने के कारण निरक्षर व्यक्ति आय और व्यय का ठीक-ठीक हिसाब नहीं लगा पाते। किसी स्थान पर हस्ताक्षर करने से पहले ऊपर लिखे विषय से अनभिज्ञ रहते हैं। निरक्षर व्यक्ति या तो अपने बच्चों को पढ़ने भेजते ही नहीं हैं और यदि भेज देते हैं, तो उनकी कठिनाइयों को समझने में असमर्थ रहते हैं। साक्षर लोगों के बीच निरक्षर स्वयं को बौना और हीन महसूस करते हैं। आत्मविश्वास की कमी होने से वे शिक्षित लोगों से बात करने में झिझक महसूस करते हैं।

(i) आज भी भारत के कुछ गाँव ऐसे हैं, जो बुरी तरह पिछड़े हुए हैं। लेखक का यह कथन दर्शाता है— 1

- (क) समाज में व्याप्त निरक्षरता को
- (ख) समाज में व्याप्त साक्षरता को
- (ग) समाज में व्याप्त गरीबी को
- (घ) समाज में व्याप्त असमानता को

(ii) निरक्षर व्यक्ति आय और व्यय का सही हिसाब नहीं लगा पाते हैं क्योंकि—

1

(क) उन्हें अंकगणित का ज्ञान नहीं होता।

(ख) उन्हें भाषा का ज्ञान नहीं होता।

(ग) उन्हें कंप्यूटर का ज्ञान नहीं होता।

(घ) उन्हें वाणिज्य विषय का ज्ञान नहीं होता।

(iii) निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1

कथन: निरक्षर लोग शिक्षित लोगों से बात करने में झिझक महसूस करते हैं।

निष्कर्ष: शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो मनुष्य को सफलता के मार्ग तक ले जाती है और आत्मविश्वास पैदा करती है।

(क) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है।

(ख) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(ग) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है।

(घ) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

(iv) विद्या या ज्ञान मनुष्य के लिए वरदान कैसे है?

2

(v) देश में शिक्षितों के प्रतिशत में हो रही तीव्र वृद्धि क्या दर्शाती है?

2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(7)

फ्रैशन का लक्ष्य होता है— 'मनुष्य के बाह्य व्यक्तित्व को निखारना।' मनुष्य सुंदरता का पुजारी होता है। उसके नेत्र हर सुंदर चीज़ को बड़ी प्रसन्नता से देखते हैं और किसी भी व्यक्ति, वस्तु या प्रकृति का नैसर्गिक सौंदर्य उसके मस्तिष्क, हृदय तथा आत्मा तक को आह्लादित कर देता है। ऐसी अवस्था में किशोर अवस्था के युवाओं का सौंदर्य के प्रति झुकाव एवं सुंदर दिखने के लिए

जिन आधुनिक वस्त्रों, सौंदर्य प्रसाधनों, शृंगार की वस्तुओं, केश-विन्यास के तरीकों आदि का प्रयोग किया जाता है— यही फ़ैशन है। साधारण अर्थ में आधुनिक संस्कृति और सभ्यता के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना ही फ़ैशन है। फ़ैशन पसंद लोग वस्त्रों की आधुनिकता के साथ-साथ बातचीत, गृह-सज्जा आदि प्रत्येक कार्य के लिए आधुनिकता का ध्यान रखते हैं। प्रायः देखा जाता है कि किशोर-किशोरियाँ भेड़-चाल से फ़ैशन का अनुकरण करने लगते हैं। वे अपना अधिकांश समय आधुनिक बनने में लगा देते हैं। फ़ैशन के साथ कभी लंबे वस्त्रों का प्रयोग, कभी छोटे वस्त्रों का प्रयोग वे शीघ्रता से कर लेते हैं। अपने चेहरे की आभा निखारने में तो सारी शक्ति लगा देते हैं। ब्यूटी पार्लर में बढ़ती किशोर-किशोरियों की भीड़ इसके साक्षात् प्रमाण हैं। किशोर अवस्था जीवन की एक महत्वपूर्ण अवस्था है। यही वह अवस्था है, जब मनुष्य अपने सुंदर और प्रगतिशील भविष्य का निर्माण कर सकता है। किशोर अवस्था का विद्यार्थी अपने निर्णय स्वयं लेने के योग्य हो जाता है। आज की शिक्षण पद्धति के अनुसार इस उम्र के विद्यार्थी को बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए दिन-रात एक करके अध्ययन में जुट जाना होता है। ऐसे में इस उम्र के विद्यार्थियों की फ़ैशन के लिए दीवानगी या जुनून, हर समय फ़ैशन की ओर ही ध्यान होना आदि उन्हें अध्ययन के प्रति रुचि से विमुख करता है। उज्ज्वल भविष्य निर्माण इस उम्र के विद्यार्थियों का पहला लक्ष्य होना चाहिए।

(i) युवाओं द्वारा फ़ैशन का अनुसरण करने के लिए कभी लंबे वस्त्रों का प्रयोग, कभी छोटे वस्त्रों का प्रयोग शीघ्रता से अपना लेना, दर्शाता है—

1

(क) आधुनिकता के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना।

(ख) भेड़-चाल से फ़ैशन का अनुकरण करना।

(ग) फ़ैशन के प्रति उनकी सही रुचि।

(घ) आधुनिकता को अपनाना।

(ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1

कथन (A): मनुष्य को हर सुंदर वस्तु को देखकर आनंद की अनुभूति होती है।

कारण (R): किसी भी व्यक्ति, वस्तु या प्रकृति का नैसर्गिक सौंदर्य मनुष्य के मस्तिष्क, हृदय तथा आत्मा तक को आह्लादित कर देता है।

- (क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।
- (ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
- (ग) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।
- (घ) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।
- (iii) विद्यार्थियों का अध्ययन के प्रति रुचि से विमुख होने का कारण हो सकता है— 1
- (क) सामाजिक नीरसता (ख) बुद्धि की कमी
- (ग) अनावश्यक तत्वों के प्रति आकर्षण (घ) आर्थिक विषमता
- (iv) गद्यांश मुख्य रूप से क्या दर्शाता है? 2
- (v) किशोर अवस्था जीवन की एक महत्वपूर्ण अवस्था क्यों होती है? 2

खंड-‘ख’ (व्यावहारिक व्याकरण)

3. ‘पदबंध’ पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (1×4=4)
- (i) ठाकुरबारी के ब्राह्मण-साधु व्रत-कथाओं के दिन घर-घर घूमकर कथावाचन करते हैं।—वाक्य में से क्रियाविशेषण पदबंध चुनकर लिखिए।
- (ii) ठाकुरबारी के जो कमरे खुले थे, उनकी तलाशी पहले ली गई थी।—वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।
- (iii) संज्ञा पदबंध का एक उदाहरण देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।
- (iv) हेडमास्टर शर्मा जी पाँचवीं और आठवीं श्रेणी को अंग्रेज़ी स्वयं पढ़ाया करते थे।—वाक्य में पदबंध का भेद बताते हुए कारण भी स्पष्ट कीजिए।
- (v) किसी वाक्य में विशेषण पदबंध की पहचान कैसे की जाती है, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
4. ‘रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण’ पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (1×4=4)
- (i) डॉ० दासगुप्ता घायल लोगों की देखभाल कर रहे थे।—वाक्य का भेद बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए।

- (ii) माली और चपरासी टोपी को पहचानते थे इसलिए वह बँगले में चला गया।—वाक्य को मिश्रित वाक्य में रूपांतरित कीजिए।
- (iii) हरिहर काका मौन रहकर अपनी जिंदगी के शेष दिन काट रहे थे।—वाक्य को संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।
- (iv) लोगों ने टोलियाँ बनाई और वे मैदान में घूमने लगे।—वाक्य का भेद लिखिए।
- (v) लेखक की माँ कहती थी कि कबूतरों को नहीं सताना चाहिए।—वाक्य का भेद बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए।

5. समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(1×4=4)

- (i) 'कर्मधारय समास में उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
- (ii) 'सुख-दुख' सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए।
- (iii) 'चौमासा' द्विगु समास है कैसे?
- (iv) 'रसोईघर' तत्पुरुष समास है कैसे?
- (v) 'चंद्रशेखर' सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए।

6. मुहावरे पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(1×4=4)

- (i) 'गिद्ध दृष्टि रखना' मुहावरे का वाक्य बनाइए।
- (ii) गलती करने पर भी हेडमास्टर शर्मा जी को किसी लड़के की नहीं देखा था। उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
- (iii) वज़ीर अली के दिल में अंग्रेजों के खिलाफ नफ़रत कूट-कूटकर भरी हुई थी। पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।
- (iv) प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करके बच्चे अपने जाते हैं। उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
- (v) 'धमाचौकड़ी मचाना' और 'हाथ-पाँव हिलाना' मुहावरे में अंतर स्पष्ट कीजिए।

खंड-‘ग’ (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए- (1×5=5)

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया। अब गर्मी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर ने मुंबई में अपने गुस्से का वह डरावना रूप दिखाया था, जिसे देखकर, सुनकर सभी लोगों की रूह काँप उठी थी।

(i) ‘नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।’ लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि—

- (क) मनुष्य को उसकी आवश्यकता की सभी वस्तुएँ प्रकृति से मिलती हैं।
- (ख) प्रकृति कभी मनुष्य का विरोध नहीं करती है।
- (ग) प्रकृति मनुष्य की आवश्यकता की पूर्ति तो कर सकती है परंतु लालच की नहीं।
- (घ) मनुष्य के लालची स्वभाव को झेलते हुए प्रकृति भी विद्रोह कर देती है।

(ii) ‘धरती किसी एक की नहीं है’—इस कथन के द्वारा लेखक क्या कहना चाहता है?

- (क) धरती पर केवल मनुष्यों का अधिकार है।
- (ख) धरती पर केवल पशुओं का अधिकार है।
- (ग) धरती पर केवल पक्षियों का अधिकार है।
- (घ) धरती पर सभी का समान अधिकार है।

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए।

कथन (A): मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं।

कारण (R): पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे लेकिन अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

(ग) कथन (A) गलत है तथा कारण (R) सही है।

(घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) मानव और प्रकृति के असंतुलन का परिणाम होता है—

(क) बेवक्त की बरसातें

(ख) जलजल्ले, सैलाब

(ग) तूफान, सुनामी, नए रोग

(घ) उपर्युक्त सभी

(v) धरती पर सबसे बुद्धिमान प्राणी है—

(क) पशु

(ख) पक्षी

(ग) मानव

(घ) कीड़े-मकोड़े

8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों

में लिखिए—

(2×3=6)

(i) बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्वपूर्ण कहा है?

(ii) शैलेंद्र के गीतों की क्या विशेषताएँ हैं? सुमधुर गीतों के होते हुए भी फिल्म 'तीसरी कसम' को विशेष सफलता क्यों नहीं मिली?

(iii) समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?

(iv) 'कारतूस' एकांकी के नायक वज़ीर अली ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए—

(1×5=5)

कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) 'अब तुम्हारे हवाले' पंक्ति का आशय है—

- (क) सैनिक देश की सुरक्षा का दायित्व अपने साथी सैनिकों को सौंपना चाहते हैं।
- (ख) सैनिक अपने स्थान पर दूसरे सैनिकों के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।
- (ग) सीमा पर जूझते हुए सैनिक अब कुछ पल के मेहमान हैं।
- (घ) सीमा पर सैनिकों के स्वास्थ्य-रक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।

(ii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्प में से सर्वाधिक उचित विकल्प को चुनकर लिखिए—

अभिकथन (A): सैनिकों ने युद्धभूमि में अपने बढ़ते कदमों को विकट परिस्थितियों में भी रुकने नहीं दिया।

कारण (R): सैनिक अपने देश की आन, बान, शान पर आँच नहीं आने देना चाहते थे।

- (क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
- (ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
- (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
- (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(iii) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' पंक्ति का क्या अभिप्राय है?

- (क) भारत माता के मुकुट समान हिमालय के सम्मान पर कभी आँच नहीं आने दी।
- (ख) भारत की प्रतिष्ठा को कभी पैरों तले नहीं रौंदा।

- (ग) हिमालय ने शत्रु सेना के सामने झुककर अपना मान-सम्मान खो दिया।
 (घ) अपने सिर का बलिदान देकर भी हिमालय के सिर को ऊँचा रखा।
 (iv) 'मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो' का भाव है—
 (क) मौत को गले लगाते हुए भी स्वाभिमान की भावना बनी रही।
 (ख) जीवन के अंतिम समय में भी दुश्मनों को हराने का जज़्बा बरकरार था।
 (ग) मरते दम तक सैनिकों का जोश बना रहा।
 (घ) हमने अपना बाल बाँका नहीं होने दिया।
 (v) उपर्युक्त पद्यांश के संबंध में कौन-सा कथन असत्य है?
 (क) सैनिक मरते दम तक युद्ध भूमि में डटे रहते हैं।
 (ख) सीमा की सुरक्षा करते हुए सैनिक अपनी परवाह करते हैं।
 (ग) सैनिक बलिदान देकर भी पर्वत राज हिमालय की गरिमा पर कभी आँच नहीं आने देते।
 (घ) मरणासन्न सैनिक देश की सुरक्षा का दायित्व अपने सहयोगी सैनिकों को सौंपना चाहते हैं।

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों

में लिखिए—

(2×3=6)

- (i) 'मनुष्यता' अथवा 'तोप' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
 (ii) आपने इस सत्र में कबीर के कई दोहे पढ़े हैं, उनमें से किसी एक दोहे का भाव समझाकर लिखिए।
 (iii) “—यों जलद-यान में विचर-विचर
 था इंद्र खेलता इंद्रजाल।”
 पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं? इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।
 (iv) 'आत्मत्राण' कविता में कवि विपदा में ईश्वर से क्या चाहता है और क्यों?

11. पूरक पुस्तक 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60

शब्दों में लिखिए—

(3×2=6)

- (i) 'यह ठाकुरबारी न सिर्फ मेरे गाँव की एक बड़ी और विशाल ठाकुरबारी है बल्कि पूरे इलाके में इसकी जोड़ की दूसरी ठाकुरबारी नहीं।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? यदि हाँ, तो ठाकुरबारी के विषय में विस्तार से लिखिए।

- (ii) 'बचपन में घास अधिक हरी और फूलों की सुगंध अधिक मनमोहक लगती है। मैं भी चंदू चपरासी से आँख बचाकर कभी कभार स्कूल की छोटी क्यारियों से फूल तोड़ लिया करता था।' ऐसा कहते हुए गुरदयाल सिंह (लेखक) अपने स्कूल के विषय में क्या बताना चाहते हैं?
- (iii) 'सोता है संसार जागता है पाक परवरदिगार' आँखों की देखी नहीं, कानों की सुनी कहती हूँ', कहकर इफ़्फन की दादी उसे कौन-कौन सी कहानियाँ सुनाया करती थीं?

खंड-‘घ’ (रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद

लिखिए—

(5×1=5)

(i) आकर्षक विज्ञापनों का बढ़ता प्रभाव

संकेत-बिंदु— • भूमिका • विज्ञापनों का बढ़ता आकर्षण • विज्ञापनों का मानव जीवन पर प्रभाव और दुष्प्रभाव • निष्कर्ष

(ii) जीवन एक कला

संकेत-बिंदु— • भूमिका • जीवन की सार्थकता • जीवन का वास्तविक आनंद • वर्तमान समय में बढ़ती स्वार्थ की प्रवृत्ति • जीवनयापन की शैली • निष्कर्ष

(iii) इच्छाओं पर नियंत्रण

संकेत-बिंदु— • भूमिका • आमदनी से अधिक खर्च नहीं • निष्कर्ष

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए—

(5×1=5)

आप अपने विद्यालय में आयोजित होने वाली खेल-कूद प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती हैं। इस प्रार्थना के साथ अपनी प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए।

अथवा

अपने क्षेत्र के पार्क में एक्सरसाइज़ मशीनें लगवाने के संबंध में नगर विकास प्राधिकरण के सचिव को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए—

(4×1=4)

आपके विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाने वाला है। आप विद्यालय के सचिव हैं। अपनी ओर से सभी छात्रों को अवगत कराने हेतु सूचना लिखिए।

अथवा

आपकी सोसाइटी में जन्माष्टमी के पर्व पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सोसाइटी के सचिव की ओर से कॉलोनी के निवासियों को एक सूचना लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए—

(3×1=3)

महक नामक साबुन के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

शिक्षा संबंधी लोन के लिए बैंक की सुविधाओं से संबंधित एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. 'समय रहते अच्छे और बुरे की पहचान कर लेनी चाहिए' पंक्ति से लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए।

(5×1=5)

अथवा

आपके विद्यालय में 'दीपावली-उत्सव' मनाया गया। इस आयोजन की जानकारी देने के लिए विद्यालय के प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।